शिव ॐ साई
प्रकाशन

॥श्री॥

अघोरी का विमोचन

इंदौर, जुलाई 29, पद्म भूषण पंडित छन्नू लाल मिश्र कई वर्षों पश्चात इंदौर शहर में अघोरी - ए बायोग्राफिकल नावेल का विमोचन करने आए हुए थे, इस अवसर पर पंडित जी ने ठुमरी, चैती, भजन, गजरी एवं अपने गायन से सबको ऐसा मंत्रमुग्ध किया मानो भोलेनाथ के मंदिर में उनकी साधना हो रही हो। श्रोताओं से उनका सीधा संवाद व उनकी सरलता सभी को आनंदित एवं प्रेरित कर गई। अघोर - शिव का अत्यंत शांत एवं कल्याणकारी स्वरुप, ये कहना था पंडित छन्नूलाल मिश्र का जोकि अघोरी पुस्तक के विमोचन के लिए लम्बे अवसर के बाद शहर में उपस्थित हुए।

मनोज ठक्कर, जयेश राजपाल एवं नूपुर अग्रवाल द्वारा रचित "अघोरी - ए बायोग्राफिकल नावेल", भ्रमित एवं कुंठित विचारधारा को बदलने के लिए किसी अघोरी द्वारा उजागर की गई है। घोर से अघोर की यह यात्रा शिव के भय मुक्त, शांत स्वरुप को प्रस्तुत करती है, अघोर को शव साधना एवं शमशानचारी मात्र से पहचाना जाता है, जबकि शिव के ये साधक स्वयं को खोजने के लिए घोर(भय अंधकार) से अघोर (शांत, भयमुक्त) की यात्रा में अपना जीवन मग्न कर देते है।मत्स्येन्द्र गिरी - एक अघोरी जिनका जीवन अघोर साधना ही रहा, जिनके जीवन से यह पुस्तक प्रेरित है भी इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए |

कार्यक्रम में मुख्य अथिति के रूप में उपस्थित हुए दिग्विजय सिंह जी का कहना था की मनोज जी युवा पीढी के लिए प्रेरणा स्त्रोत एवं मार्ग दर्शक है, UWC ग्रुप इसका एक उदहारण है एवं उनकी शिव ॐ साई ट्रस्ट द्वारा भगवान् शिव का मंदिर निर्माण भविष्य में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक रचना का केंद्र बनेगा|

प्राणकाव्य, काशी मरणान्मुक्ति, दी मिस्टिक फेथ के बाद मनोज ठक्कर जी की यह चौथी कृति है| मन से फकीर, स्वभाव से उदार, मनोज जी का जीवन मार्गदर्शन एवं सामाजिक उत्थान का ही पर्याय है|

कार्यक्रम में सह लेखक जयेश राजपाल एवं नूपुर अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए|